सोमवार, 26 अक्टूबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष - 15 • अंक - 61 CITY NEWS MUMBAI

त्योहारों से पहले तुकाराम मुंढे का बड़ा एक्शन!

FDA ने जब्त किए ₹12.74 करोड़ के प्रोडक्ट्स, 68 लाइसेंस सस्पेंड

त्योहारों से पहले महाराष्ट्र FDA ने की बड़ी कार्रवाई, राज्यभर में छापेमारी कर 12.74 करोड़ के मिलावटी और असुरक्षित उत्पाद जब्त, 68 लाइसेंस सस्पेंड और 7 प्रतिष्ठान बंद। महाराष्ट्र FDA ने त्योहारी सीजन के दौरान मिलावटखोरों पर बड़ी कार्रवाई की है। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने 12.74 करोड़ के असुरक्षित उत्पाद जब्त किए। नियमों का उल्लंघन करने पर प्रशासन ने कुल 68 लाइसेंस सस्पेंड किए। नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान और आगामी दिवाली की तैयारियों के बीच, महाराष्ट्र FDA ने मिलावटखोरों और खाद्य नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ राज्यव्यापी फेस्टिव क्रैकडाउन चलाया है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में की गई इस बड़ी कार्रवाई में राज्य के सभी सात विभागों मुंबई, कोंकण, पुणे, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर, नागपुर और अमरावती में ताबड़तोड़ छापेमारी कर 12.74 करोड़ मूल्य के असुरक्षित और मिलावटी खाद्य उत्पाद जब्त किए गए हैं। नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले प्रतिष्ठानों पर नकेल कसते हुए FDA ने 68 खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं, 7 प्रतिष्ठानों को पूरी तरह बंद करने का आदेश दिया है और 4 प्रतिष्ठानों से 1.30 लाख का जुर्माना



वसूला है। वहीं, प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू नेटवर्क के खिलाफ पुलिस के साथ मिलकर 22 FIR दर्ज की गई हैं और 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक्सपायर्ड भोजन को दोबारा बेचने वाले रैकेट का पर्दाफाश इस अभियान का सबसे चौंकाने वाला खुलासा ठाणे और पुणे जिलों में हुआ। FDA विभाग को आशंका थी कि जिस खराब, एक्सपायर्ड या रिजेक्टेड खाद्य सामग्री को नष्ट करने के लिए भेजा जाता है, उसे नष्ट करने के बजाय अवैध रूप से वापस बाजार में बेचने की साजिश रची जा रही है। जांच के दौरान 8,392 किग्रा खराब खाद्य स्टॉक पकड़ा गया, जिसकी कीमत लगभग 48.09 लाख है। जांच में पाया गया कि कंपनियों के गोदामों, ठेकेदारों, अनधिकृत निपटान केंद्रों और बिचौलियों के जरिए यह जहरीला खाना दोबारा आम जनता की थाली तक पहुंचाने की कोशिश हो रही थी। कंपनियां नष्ट करने का पारदर्शी रिकॉर्ड पेश नहीं कर सकीं, जिसके चलते 5 लाइसेंस निलंबित किए गए और आपराधिक शिकायतें दर्ज कराई गईं। कोल्ड स्टोरेज पर रेड और गुटखा तस्करी पर बड़ा प्रहार छत्रपति संभाजीनगर विभाग में FDA ने एक ही दिन में दो बड़े कोल्ड स्टोरेज पर छापेमारी कर 1,97,480 किग्रा सामग्री (मूल्य 4.19 करोड़) जब्त की, जिसमें लाल मिर्च पाउडर, किशमिश, गुड़ और पाश्चुरीकृत मक्खन शामिल था। नियमों के उल्लंघन पर दोनों कोल्ड स्टोरेज के लाइसेंस तुरंत निलंबित कर दिए गए। इसके अलावा, पूरे महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला और सुगंधित तंबाकू ...शेष 7 पर

महाराष्ट्र के स्कूलों में अब चैटबॉट से लगेगी शिक्षकों की हाजिरी, शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश

महाराष्ट्र के स्कूलों में कक्षा 1 से 12 तक के शिक्षकों के लिए अब ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य कर दी गई है। स्विफ्टचैट ऐप पर बने स्मार्ट अटेंडेंस बॉट से हाजिरी दर्ज होगी। महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 12 तक के शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य। स्विफ्टचैट ऐप के स्मार्ट अटेंडेंस बॉट से रोज दर्ज होगी उपस्थिति। प्रिंसिपल को हाजिरी, छुट्टी और ट्रेनिंग का रिकॉर्ड अपडेट करने की जिम्मेदारी। महाराष्ट्र के स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया अब डिजिटल होगी। राज्य के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 12 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए रोजाना ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में दिशानिर्देश जारी किए



हैं। नई व्यवस्था के तहत शिक्षक अब स्विफ्टचैट ऐप में उपलब्ध स्मार्ट अटेंडेंस बॉट के माध्यम से अपनी उपस्थिति का रिकॉर्ड दर्ज कर सकेंगे। शिक्षा आयुक्त कार्यालय ने 4 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में परिपत्र जारी किया था। इसके मुताबिक, शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से राष्ट्रीय विद्या समीक्षा केंद्र के तहत रियल टाइम सूचना बोर्ड के माध्यम से शिक्षकों की हाजिरी दर्ज करने की व्यवस्था शुरू की गई है। इस प्रक्रिया को लागू करने की जिम्मेदारी स्कूलों के प्रिंसिपल को सौंपी गई है। मोबाइल में डाउनलोड करना होगा स्विफ्टचैट ऐप महाराष्ट्र राज्य के स्कूलों में नई व्यवस्था के तहत सबसे पहले प्रिंसिपल को अपने मोबाइल में स्विफ्टचैट ऐप डाउनलोड करना होगा। इसके बाद मोबाइल नंबर के जरिए रजिस्ट्रेशन करना होगा। स्कूल की पहचान के लिए 11 अंकों के यूनिक कोड और शिक्षक की जानकारी की पुष्टि के लिए शालार्थ आईडी या राष्ट्रीय शिक्षक कोड का इस्तेमाल किया जाएगा। इस प्रक्रिया के जरिए स्कूल में कार्यरत प्रत्येक शिक्षक की उपस्थिति और अनुपस्थिति दर्ज की जा सकेगी। विभाग की ओर से निर्धारित व्यवस्था के अनुसार, हाजिरी से जुड़ी जानकारी सही तरीके से भरना जरूरी होगा। छुट्टी और प्रशिक्षण का रिकॉर्ड भी होगा दर्ज स्मार्ट अटेंडेंस बॉट के माध्यम से केवल रोजाना की उपस्थिति ही नहीं, बल्कि शिक्षकों की छुट्टी और प्रशिक्षण से जुड़ी ...शेष 7 पर

मुंबई से बॉलीवुड का बाहर जाना सरकार की नाकामी, महायुति सरकार पर बरसे हर्षवर्धन सपकाल



हर्षवर्धन सपकाल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुंबई से बॉलीवुड का बाहर जाना सरकार की विफलता है। उन्होंने कानून-व्यवस्था और सूखे को लेकर भी सरकार को घेरा। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष ने महायुति सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। मुंबई से बॉलीवुड का बाहर जाना राज्य सरकार की बड़ी विफलता बताया गया। वायरल ऑडियो और गैंगवार के मुद्दों पर सरकार की मंशा को घेरा गया। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने राज्य की कानून व्यवस्था और सिने ...शेष 7 पर

मुंबई में अवैध झोपड़ों पर एसआरए की डिजिटल नजर, नेत्रम पोर्टल से सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए होगी कार्रवाई



मुंबई में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जों रोकने के लिए SRA ने 'नेत्रम' प्रणाली शुरू की है। सैटेलाइट तस्वीरों से 2011 के बाद बने अवैध झोपड़ों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। मुंबई में अवैध झोपड़ों पर नजर रखने के लिए एसआरए ने 'नेत्रम' तकनीक अपनाई। 2011 की सैटेलाइट तस्वीरों से नए अवैध निर्माणों की पहचान होगी। बीएमसी, म्हाडा और रेलवे समेत जमीन मालिक एजेंसियों को ...शेष 7 पर

500 करोड़ के ऑडियो क्लिप विवाद पर मनोज जरांगे का एकनाथ शिंदे से सवाल, बोले- चुप क्यों हैं डिप्टी सीएम?

मनोज जरांगे ने 500 करोड़ के ऑडियो क्लिप विवाद में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। वहीं सांसद श्रीकांत शिंदे और डीसीएम ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। मनोज जरांगे ने 500 करोड़ के आरोप पर एकनाथ शिंदे से जवाब मांगा। जरांगे ने जल्द नए खुलासे का दावा किया। विवाद के बीच शिंदे ने शिवसेना नेताओं से सूखा प्रभावित किसानों की मदद करने को कहा। मराठा एक्टिविस्ट मनोज जरांगे पाटिल के 500 करोड़ के ऑडियो बम के धमाके से महायुति सरकार में घमासान मचा हुआ है। अब जरांगे ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा है कि अगर उन्होंने



मेरे नाम पर 500 करोड़ रुपये नहीं लिए हैं तो वे चुप क्यों हैं। शिंदे खुद सामने आकर इस पर अपनी सफाई क्यों नहीं दे रहे हैं। जरांगे ने कहा कि जब मैंने यह आरोप लगाया तो शिंदे ने सबूत पेश करने का चैलेंज दिया था। अब मैंने ऑडियो क्लिप सार्वजनिक कर दी है तो इसके बाद से शिंदे का कोई बयान नहीं आ रहा है। शिंदे की शिवसेना पार्टी के नेता डीसीएम का बचाव कर रहे हैं लेकिन खुद शिंदे क्यों मौन हैं। यह एक बड़ा सवाल है। जरांगे पाटिल ने महायुति सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अभी तो मैंने ऑडियो क्लिप के रूप में छोटा बम फोड़ा है लेकिन अभी मेरे पास परमाणु बम बाकी है। मैं इसका जल्द ही खुलासा करूंगा। मैं खुद पता लगाने में जुटा हूं : श्रीकांत शिंदे एकनाथ शिंदे के सांसद पुत्र श्रीकांत ने जरांगे पाटिल के ऑडियो क्लिप पर तंज कसते हुए कहा कि मैं खुद यह पता लगाने में जुटा हूं कि 500 करोड़ कहां पहुंचे है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि जिस व्यक्ति को ये 500 करोड़ भेजे जाने थे, वह उन तक नहीं पहुंचे ...शेष 7 पर

सरकार का दबाव, कॉलेजियम में मतभेद और जजों की नियुक्ति जस्टिस कौल की किताब में चंद्रचूड़ को लेकर क्या दावा?

पूर्व जज संजय किशन कौल के संस्मरण में दावा किया गया है कि CJI डीवाई चंद्रचूड़ न्यायाधीशों की नियुक्ति में सरकार के प्रति नरम थे। जस्टिस संजय किशन कौल के अप्रकाशित संस्मरण में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर कई दावे किए गए हैं। कौल ने आरोप लगाया कि एक नियुक्ति पर चंद्रचूड़ सरकार की राय जानने के लिए फोन करने पर विचार कर रहे थे। चंद्रचूड़ ने कहा कि किताब पढ़े बिना वह दावों पर टिप्पणी नहीं कर सकते; उन्होंने कौल के साथ संबंधों को सम्मानजनक बताया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (CJI) डीवाई चंद्रचूड़ न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में सरकार के प्रति जरूरत से ज्यादा नरम थे। पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस संजय किशन कौल के अप्रकाशित संस्मरण में यह दावा किया गया है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कौल ने अपनी किताब में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली, न्यायाधीशों की नियुक्ति और सरकार के कथित हस्तक्षेप से जुड़े कई प्रसंगों का जिक्र किया है। जस्टिस कौल दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी किताब Without Fear of Favour इसी महीने के अंत में जगरनॉट प्रकाशन से प्रकाशित होने वाली है। द इंडियन एक्सप्रेस ने किताब की



अप्रकाशित पांडुलिपि की समीक्षा की है। सरकार की राय जानने के लिए फोन करना चाहते थे चंद्रचूड़: कौल जस्टिस कौल ने लिखा कि जून 2022 में कॉलेजियम का हिस्सा बनने के बाद उन्होंने न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को सुझाव दिया था कि दोनों को सरकार के साथ मिलकर और एकजुट होकर पेश आना चाहिए। कौल के मुताबिक, उन्होंने यह भी कहा था कि चूंकि वह मुख्य न्यायाधीश नहीं थे, इसलिए सरकार के सामने अधिक दृढ़ रुख अपना सकते थे। हालांकि, कौल का दावा है कि कुछ अपवादों को छोड़कर चंद्रचूड़ सरकार के साथ संबंधों को अपने स्तर पर ही संभालना पसंद करते थे। कौल ने कॉलेजियम की उस पहली बड़ी प्रक्रिया का भी जिक्र किया, जिसमें छह रिक्त पदों के लिए नामों पर विचार किया जाना था। उनके अनुसार, पांच नामों पर पहले ही सहमति बन चुकी थी। लेकिन बैठक के रास्ते में चंद्रचूड़ ने छठे नाम का प्रस्ताव रखा। कौल ने लिखा कि अन्य न्यायाधीशों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। उन्हें संदेह हुआ कि यह नाम सरकार के कहने पर प्रस्तावित किया गया था। उनके मुताबिक, इसके बाद चंद्रचूड़ ने उन्हें अलग ले जाकर पूछा कि क्या उन्हें सरकार की राय जानने के लिए फोन करना चाहिए। कौल ने लिखा कि उन्होंने चंद्रचूड़ को ऐसा करने से रोका।

उनका कहना था कि कॉलेजियम की बैठक के बीच सरकार की राय लेने के लिए फोन करना उचित नहीं होगा। अंततः पांच नामों को मंजूरी मिली, जबकि छठे नाम पर सहमति नहीं बनी। अल्पसंख्यक समुदाय के न्यायाधीश के नाम पर भी विवाद का दावा कौल ने अपने संस्मरण में एक अन्य न्यायाधीश की नियुक्ति को लेकर हुए मतभेद का भी जिक्र किया है।

चक्रवाती तूफान मचा सकता तबाही, आंध्र प्रदेश से छत्तीसगढ़ तक भारी बारिश का अलर्ट, IMD ने सतर्क रहने की दी सलाह

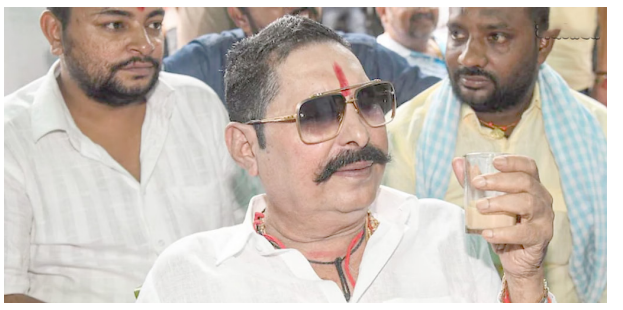
मौसम विभाग की तरफ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस भारी बारिश का प्रमुख कारण चक्रवाती तूफान को बताया जा रहा है। देखें किन-किन राज्यों में हो सकती भारी बारिश। मौसम विभाग बारिश को लेकर अलर्ट जारी आंध्र प्रदेश से छत्तीसगढ़ तक भारी बारिश का अलर्ट चक्रवाती तूफान से इन 6 राज्यों में हो सकती है भारी बारिश पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनने वाले बेहद भीषण चक्रवाती तूफान के प्रभाव से देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 27 से 29 अक्टूबर 2026 के बीच तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। पूर्वानुमान



के मुताबिक, 27 और 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, 28 अक्टूबर को ओडिशा और तेलंगाना में भी भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, 28 और 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में ओडिशा में 27 और 29 अक्टूबर को तथा पूर्वी मध्य प्रदेश में 29 अक्टूबर 2026 को भी भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताई गई है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह संभावित खराब मौसम को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की ओर से जारी आधिकारिक मौसम अपडेट एवं चेतावनियों पर नजर रखने की सलाह दी गई है। बारिश के दौरान निचले इलाकों में जलभराव, यातायात प्रभावित होने और स्थानीय स्तर पर अन्य परेशानियां उत्पन्न होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

प्रशासन और आम नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम संबंधी आधिकारिक निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन के दिशा-निर्देशों को प्राथमिकता दें। चक्रवाती तूफान क्या है? चक्रवाती तूफान एक शक्तिशाली मौसमी तूफान होता है, जो समुद्र के ऊपर गर्म और नम हवा के कारण बनता है। इसमें हवा कम वायुदाब वाले केंद्र की ओर तेजी से घूमती है और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होती है। जब भी चक्रवाती तूफान निर्मित होता है तो समुद्र तटीय इलाकों में भारी बारिश होती है।

अनंत सिंह की RJD में एंट्री होगी? छोटे सरकार पर तेजस्वी करेंगे फैसला, बिहार में सियासी हलचल तेज



अनंत सिंह के जदयू से छह साल के निष्कासन पर राजद ने सवाल उठाए हैं। शक्ति सिंह यादव ने आदेश में खामी बताई, जबकि सुधाकर सिंह ने राजद में एंट्री का फैसला तेजस्वी पर छोड़ा। अनंत सिंह के निष्कासन आदेश पर राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने सवाल उठाए। सुधाकर सिंह बोले- अनंत सिंह की राजनीतिक ताकत पर निष्कासन का असर नहीं पड़ेगा। अनंत सिंह के राजद में शामिल होने की संभावना पर फैसला तेजस्वी यादव पर छोड़ा। मोकामा विधायक अनंत सिंह को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) से छह साल के लिए निष्कासित किए जाने के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। जदयू के विधान परिषद उम्मीदवार नीरज कुमार का विरोध करना अनंत सिंह को भारी पड़ा। अब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने निष्कासन की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने जदयू के कार्यालय आदेश में तकनीकी खामी होने का दावा किया है। वहीं, राजद सांसद सुधाकर सिंह ने अनंत सिंह के पार्टी में शामिल होने की संभावना पर फैसला तेजस्वी यादव पर छोड़ दिया।

38 ठिकानों पर छापेमारी: 1,424 बैंक खाते फ्रीज, 100 करोड़ के लेनदेन का खुलासा; जाने क्या है ऑपरेशन ट्राइडेंट?



केंद्र सरकार ने नशीले पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत 38 ठिकानों पर छापेमारी की गई और 1,424 बैंक खातों को फ्रीज किया गया है। नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029) के अनुरूप कार्रवाई नशे के कारोबार के साथ तस्करी गिरोहों के वित्तीय तंत्र पर प्रहार हवाला लेनदेन और अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई से तस्करी नेटवर्क कमजोर करने की रणनीति नशीले पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार ने ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत असम, मिजोरम और मणिपुर में व्यापक छापेमारी की। गृह मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 23 अक्टूबर को 38 टीमों ने तीनों राज्यों में एक साथ 38 ठिकानों पर कार्रवाई की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोहों और उनके वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करना था। 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन का खुलासा गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस कार्रवाई के दौरान करीब 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन का पता चला।

खरगे के मोदी का बाप भी जाएगा बयान पर भड़के अमित शाह, कहा- राहुल के नेतृत्व में रोज अभद्रता हो रही

पटना में पीएम मोदी पर मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी के बाद अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधा। शाह ने आरोप लगाया कि पार्टी के पास अब गाली-गलौज की राजनीति बची है। अमित शाह ने खरगे की टिप्पणी को मर्यादाओं के खिलाफ बताते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। पटना में खरगे के बयान के बाद कार्यक्रम में हंगामा हुआ। टिप्पणी के बाद सभा में मौजूद व्यक्ति ने दावा किया कि उसकी बात को गलत समझा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की पटना में की गई टिप्पणी पर सियासी घमासान तेज हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खरगे के बयान पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तोड़ दी हैं। शाह ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी अभद्रता की सीमाएं पार करती जा



रही है। वहीं, खरगे ने पटना में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद वहां हंगामा हो गया। अमित शाह ने खरगे के बयान पर क्या कहा? अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर मल्लिकार्जुन खरगे के बयान की आलोचना की। उन्होंने लिखा कि खरगे ने पटना में प्रधानमंत्री मोदी के पिता के बारे में अभद्र टिप्पणी करके सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी और उनके परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कर चुकी है। उन्होंने प्रधानमंत्री की मां को लेकर की गई टिप्पणियों, उन्हें 'मौत का सौदागर' कहे जाने और 'चायवाला' कहकर उनकी गरीबी का मजाक उड़ाने का भी जिक्र किया। गृह मंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में चुनावी हार के कारण कांग्रेस में हताशा और निराशा बढ़ी है। उनके मुताबिक, पार्टी के पास अब न कोई नीति बची है और न मुद्दा, बल्कि गाली-गलौज की राजनीति रह गई है। ये आरोप अमित शाह ने कांग्रेस पर लगाए हैं। पटना में खरगे ने क्या कहा था? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे रविवार को पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा की सरकारों को 'वोट चोरी' से बनी सरकार बताया। इसी दौरान सभा में मौजूद एक व्यक्ति की टिप्पणी के बाद हंगामा हो गया। उस व्यक्ति की बात के जवाब में खरगे ने कहा, "मोदी का बाप भी जाएगा।"

BJP-RSS को पवन खेड़ा ने घेरा, लगाया खरगे के अपमान का आरोप; बोले-देश सब देख रहा है

पटना में खरगे द्वारा पीएम मोदी को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद राजनीति गरमा गई है। बीजेपी बयान की निंदा कर रही है तो वहीं पवन खेड़ा खरगे का बचाव करते नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान से मचा सियासी घमासान पवन खेड़ा ने किया मल्लिकार्जुन खड़गे का बचाव, बोले BJP-RSS कर रही अपमान खरगे के बयान पर बीजेपी ने किया पलटवार बोली अमर्यादित भाषा का कांग्रेस अध्यक्ष ने किया प्रयोग कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) पर खड़गे के साथ अपमानजनक व्यवहार करने का आरोप लगाया है। खेड़ा ने दावा किया कि यह दूसरी बार है, जब खड़गे को निशाना बनाया गया है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सवाल उठाए। पवन खेड़ा ने कहा कि इससे पहले उत्तराखंड में खड़गे के साथ कथित तौर पर अपमानजनक व्यवहार किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौरान एक तथाकथित शुद्धिकरण अनुष्ठान किया



गया, क्योंकि खड़गे दलित समुदाय से आते हैं। बिहार में बयान को लेकर विवाद कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा के मुताबिक, बिहार में जब मल्लिकार्जुन खड़गे भाषण दे रहे थे, तब भाजपा के एक कार्यकर्ता ने कथित तौर पर कहा कि मोदी कहीं नहीं जाएंगे, भले ही उनके पिता भी आ जाएं। पवन खेड़ा के अनुसार, इस टिप्पणी के जवाब में खड़गे ने पलटवार करते हुए कहा कि मोदी जरूर जाएंगे और उनके पिता भी जाएंगे। खेड़ा ने इस संदर्भ में संघ और मोहन भागवत को मोदी का वैचारिक मार्गदर्शक बताया।

मोदी-शाह पर लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का बार-बार अपमान किया जा रहा है और इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह का इशारा है। उन्होंने कहा कि देश इस तरह के व्यवहार को कभी माफ नहीं करेगा और जनता पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रही है। खेड़ा के बयान से भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। एक ओर कांग्रेस इस मामले को अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के सम्मान और सामाजिक समानता से जोड़ रही है, वहीं दूसरी ओर खड़गे की टिप्पणी को लेकर भाजपा की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। खरगे के बयान पर बीजेपी का पलटवार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान की निंदा करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इससे राजनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा खरगे की भाषा अमर्यादित थी। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। बीजेपी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री और उनके परिवार को लेकर लगातार अनुचित टिप्पणियां कर रहे हैं।

कर्नाटक स्टिंग विवाद: CM डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच बढ़ा टकराव, कांग्रेस में अंदरूनी कलह तेज

कर्नाटक की सियासत में कांग्रेस के बीच की अंदरूनी कलह अब सार्वजनिक हो गई है। स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े इस मामले में सीएम और पूर्व सीएम आमने-सामने आ गए हैं। कर्नाटक कांग्रेस का अंदरूनी कलह हुआ सार्वजनिक स्टिंग ऑपरेशन मामले में सीएम और पूर्व सीएम आमने-सामने कांग्रेस के लिए पार्टी में हुई गुटबाजी को खत्म करना सबसे बड़ी चुनौती बिहार की राजनीति गर्माहत थमी नहीं थी कि इसी बीच कर्नाटक की राजनीति में उबाल देखने को मिल रहा है। मामला स्टिंग ऑपरेशन से जुड़ा हुआ है। स्टिंग ऑपरेशन कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, के बीच तनाव का कारण बनता नजर आ रहा है। विवादित वीडियो को लेकर उठे सवालों ने पार्टी के



भीतर गुटबाजी की चर्चाओं को तेज कर दिया है। विपक्षी जनता दल (सेक्युलर) और भाजपा भी इस मुद्दे पर कांग्रेस सरकार को घेरने में जुटे हैं। विवाद की शुरुआत कैसे हुई? मामला सिद्धारमैया से जुड़े एक कथित स्टिंग वीडियो के सामने आने के बाद गरमाया। सिद्धारमैया ने वीडियो को अपनी छवि खराब करने की कोशिश बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। बेंगलुरु की एक अदालत ने 13 अक्टूबर को वीडियो के प्रसारण और प्रसार पर अंतरिम रोक भी लगाई थी। इस बीच, डीके शिवकुमार ने मंत्रियों को संभावित स्टिंग ऑपरेशन और उन्हें फंसाने की कोशिशों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी थी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि कथित स्टिंग के पीछे शिवकुमार की भूमिका हो सकती है और इसका उद्देश्य सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना था। सिद्धारमैया ने की निष्पक्ष जांच की मांग सिद्धारमैया ने कहा है कि इस मामले में सच्चाई सामने आनी चाहिए और कथित साजिश के पीछे मौजूद लोगों की पहचान होनी चाहिए। उनके बेटे यतींद्र सिद्धारमैया ने भी वीडियो को फर्जी बताते हुए आरोप लगाया कि इसका इस्तेमाल उनके पिता की राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया। दूसरी ओर, शिवकुमार ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। पुलिस वीडियो की उत्पत्ति, उसे अपलोड करने वालों और उसके प्रसार से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। जांच एजेंसियों ने वीडियो के स्रोत का पता लगाने के लिए डिजिटल जानकारी भी मांगी है। कांग्रेस के लिए बढ़ी चुनौती स्टिंग विवाद ने कांग्रेस के भीतर नेतृत्व और आपसी भरोसे को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

महाराष्ट्र के शबरी नेचुरल्स को मिला जापान का ग्लोबल गुड डिजाइन अवॉर्ड, मन की बात में PM मोदी ने की सराहना



महाराष्ट्र सरकार के शबरी नेचुरल्स को ग्लोबल गुड डिजाइन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी ने मन की बात में इसकी पैकेजिंग और आदिवासी सशक्तिकरण की सराहना की। शबरी नेचुरल्स ब्रांड को जापान का प्रतिष्ठित ग्लोबल गुड डिजाइन अवॉर्ड मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में इसकी सराहना की। इस पहल से महाराष्ट्र के आदिवासी समुदायों का आर्थिक सशक्तिकरण हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में महाराष्ट्र सरकार की अनूठी पहल शबरी नेचुरल्स की जमकर प्रशंसा की है। अपनी आकर्षक पैकेजिंग और पारंपरिक आदिवासी कला की विशिष्ट छाप के दम पर शबरी नेचुरल्स को जापान का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जी-मार्क - ग्लोबल डिजाइन अवॉर्ड हासिल हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत की इस पहचान को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने राज्य के लिए गर्व का क्षण बताया है।

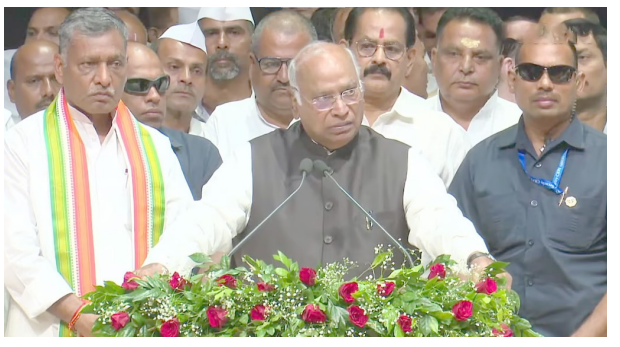
चेन्नई में 72 साल के शेफ दामू का निधन, 617 डिश बनाकर बनाया था वर्ल्ड रिकॉर्ड



मशहूर तमिल शेफ दामू का 72 साल की उम्र में चेन्नई में निधन हो गया। पद्मश्री से सम्मानित दामू 'कुकू विद कोमाली' से लोकप्रिय हुए और पारंपरिक तमिल व्यंजनों को वैश्विक पहचान दिलाई। ¡मशहूर तमिल शेफ दामू का 72 साल की उम्र में निधन। शेफ वेंकटेश भट ने सोशल मीडिया पर दी निधन की जानकारी। जनवरी 2025 में पाक कला में योगदान के लिए पद्मश्री मिला था। तमिलनाडु के मशहूर शेफ और टेलीविजन हस्ती दामोदरन कोथंदरमन का रविवार को चेन्नई में निधन हो गया। उन्हें लोग प्यार से शेफ दामू के नाम से जानते थे। उनके निधन की पुष्टि साथी शेफ वेंकटेश भट ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश के जरिए की। शेफ दामू 72 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से पाक कला जगत और उनके प्रशंसकों में शोक है।

पटना में कांग्रेस के कार्यक्रम में बवाल, खरगे ने मोदी को लेकर दिया विवादित बयान

बिहार के पटना में डॉ. श्री कृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के मौके पर कांग्रेस के अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी के पिता को लेकर दिए गए बयान के बाद बवाल मच गया है। पटना में कांग्रेस के कार्यक्रम में बवाल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को लेकर दिया विवादित बयान एक युवक ने कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे, जिस पर खड़गे ने जवाब दिया, मोदी का बाप भी जाएगा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पटना पहुंचे थे। उनके बिहार दौरे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में उस समय हंगामा हो गया, जब उनके संबोधन के बीच एक युवक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की जा रही टिप्पणी पर रोकटोक शुरू कर दी। पूरा मामला बिहार



के पटना में डॉ. श्री कृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम का हैं। जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संबोधन के दौरान हंगामा हो गया। वहां मौजूद एक युवक ने कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे, जिस पर खड़गे ने जवाब दिया, मोदी का बाप भी जाएगा। पीएम मोदी को लेकर क्या बोले खरगे? पटना के बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में खरगे भाषण दे रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए खरगे ने कहा, मोदी का बाप भी जाएगा। उनके इस बयान के बाद कार्यक्रम स्थल पर हंगामा शुरू हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने व्यवधान डालने वाले व्यक्ति को पकड़ लिया। हालांकि, घटना के पूरे संदर्भ और वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि के लिए मूल फुटेज देखना जरूरी है। भाजपा और आरएसएस पर भी साधा निशाना अपने संबोधन में खरगे ने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी निशाना साधा। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को रोकने की बात कही। उन्होंने इन मुद्दों पर देशव्यापी आंदोलन की जरूरत बताते हुए इसे लोकतंत्र की लड़ाई से जोड़ा। खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें कांग्रेस के अगले 30 वर्षों तक सत्ता में नहीं आने की बात कही गई थी।

सम्पादकीय

विद्वेषाने दुभंगलेला भारतीय समाज

विभाजित समाज कभी भी राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए, सभी को, विशेषकर सत्ताधारी दल को, इस स्थिति को सुधारने और भाईचारे और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयास करने चाहिए। संविधान ने हमारे देश के लोगों में लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों के साथ-साथ समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय के मूल्यों को भी स्थापित किया, जो धर्म, जाति, क्षेत्र, भाषा और नस्ल के संदर्भ में विविधतापूर्ण है। परिणामस्वरूप, हम गर्व से 'विविधता में एकता' का उपयुक्त नारा लगा सकते हैं। लेकिन 12 साल पहले, धार्मिक घृणा के आधार पर ध्रुवीकरण करके एक हिंदुत्ववादी सरकार सत्ता में आई। तब से, एक चिंताजनक तस्वीर सामने आ रही है कि सरकार के आशीर्वाद से इन संवैधानिक मूल्यों को व्यवस्थित रूप से कुचला जा रहा है। देश के संवेदनशील, शांतिप्रिय और देशभक्त नागरिक धार्मिक असहिष्णुता और घृणा के भयावह रूप को देखकर व्याकुल हैं। इस घृणा ने धर्म की सीमाओं को पार कर जाति, भाषा, क्षेत्र और राजनीतिक निष्ठा में प्रवेश कर लिया है। इस घृणा ने समाज को विभाजित कर दिया है। परिणामस्वरूप, देश की सामाजिक सद्भाव, एकता और एकीकरण खतरे में है। इसलिए, इस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। यह एक ऐसा तरीका है जिससे झूठी कहानी गढ़ी जाती है, जिससे लोगों में अपने विरोधियों के प्रति घृणा, भय और क्रोध पैदा होता है और फिर उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। इसका एक हिस्सा यह है कि हिंदू धर्म (अब सनातन धर्म) के खतरे का डर फैलाकर मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाई जाती है। गौरतलब है कि यह धर्म लगभग सात-आठ सौ वर्षों तक गैर-हिंदू (मुस्लिम-मुगल-ब्रिटिश) शासन के तहत पूरी तरह सुरक्षित रहा है। पहले यह नफरत कानाफूसी के जरिए फैलाई जाती थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद ये नफरत फैलाने वाले लोग और भी बेखौफ हो गए हैं और उनका घिनौना चेहरा समय-समय पर सामने आ रहा है। इसका सबसे ताजा उदाहरण सत्ताधारी दल के एक नेता द्वारा गरबा के मुद्दे पर जारी किया गया फतवा है। लव जिहाद और गैर-हिंदुओं के गरबा में प्रवेश को रोकने के लिए, या वैकल्पिक रूप से सनातन धर्म की रक्षा के लिए, फतवे में कहा गया है कि गरबा में केवल गाय के मूत्र में मिला हुआ कुमकवा तिला लगाने के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जाए, आधार कार्ड की जांच की जाए और मंडप के बाहर 'भगवान वराह' की एक तस्वीर लगाई जाए। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में गरबा न केवल गुजरातियों का धार्मिक त्योहार बन गया है, बल्कि इसने एक महानगरीय और व्यावसायिक स्वरूप भी प्राप्त कर लिया है, और विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग इसमें भाग ले रहे हैं। उस समय सनातन धर्म कभी खतरे में नहीं था। लेकिन हिंदुत्ववादी सरकार के सत्ता में आने के बाद से, धर्म के रखवालों को यह एहसास हो गया है कि मुसलमानों के गरबा में शामिल होने के कारण सनातन धर्म खतरे में है। हालांकि इससे गैर-हिंदुओं को गरबा से दूर रखने का उन्माद पैदा हुआ है, लेकिन विशेषज्ञों को यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि लव जिहाद या भगवान वराह की मूर्तियां केवल मुसलमानों को निशाना बना रही हैं और उनके प्रति घृणा व्यक्त कर रही हैं। चूंकि मुसलमान सूअर को अपवित्र मानते हैं, इसलिए कोई भी समझदार व्यक्ति उनकी इस मूर्खतापूर्ण और सुविधाजनक धारणा पर विश्वास नहीं करेगा कि वे 'भगवान वराह' को देखते ही गरबा मंडप से भाग जाएंगे। चिंता की बात यह है कि जैन धर्म (गैर-हिंदू धर्म) के संत नीलेश चंद्र, जो 'अहिंसा परमो धर्म' के सिद्धांत का पालन करते हैं और दुनिया के सबसे अहिंसक धर्म माने जाते हैं, इस मामले में कूद पड़े हैं और उन्होंने एक विवादास्पद बयान दिया है कि अगर गरबा में किसी दूसरे धर्म का व्यक्ति दिखे तो तलवार निकालो... उसे वहीं मार डालो... और इसे माता के प्रति बलिदान मानो। सनातन धर्म के संरक्षक कम से कम मुसलमानों (वास्तव में, जैन और अन्य धर्मों) को गरबा से दूर रखते हैं। लेकिन यह जैन संत सीधे उनके वध की बात कर रहे हैं, जो बेहद चौंकाने वाला है और दिखाता है कि धार्मिक घृणा किस हद तक भयावह हो गई है। गुजरात के कच्छ, महिसागर और आनंद जिलों में अनुसूचित जाति के लोगों को गरबा में प्रवेश से वंचित करने और गरबा में शामिल होने पर उनकी पिटाई करने की घटनाएं सामने आई हैं। चूंकि अनुसूचित जाति के लोग धर्म से हिंदू हैं, इसलिए गरबा में उनकी भागीदारी से सनातन धर्म के खतरे का कोई सवाल ही नहीं उठता। हालांकि, यहां भी अनुसूचित जाति के लोगों के प्रति घोर नफरत साफ दिखाई देती है। यह जातिगत नफरत आईआईटी के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या के बाद भड़क उठी थी। आज हालात ऐसे हैं कि यह नफरत हर जगह दिखाई देती है। पुणे में जूना खोले बाई कांड हो या उत्तर प्रदेश के इटावा में यादवों को पूजा करने पर पीट-पीटकर उनके सिर काट दिए जाने का मामला, जाति आधारित यह नफरत हर जगह बढ़ रही है। मराठा, धनगर और ओबीसी के बीच विवाद चरम पर पहुंच चुके हैं। मातंग और बौद्ध-महारों के बीच उप-वर्गीकरण को लेकर चल रहा संघर्ष भयावह रूप ले चुका है। एक बार जब कोई व्यक्ति नफरत करने का फैसला कर लेता है, तो उसके या उसके नेताओं के खिलाफ बेहद घटिया भाषा का प्रयोग करना स्वाभाविक है, जिससे दूसरा व्यक्ति बेहद क्रोधित हो जाता है। इस मामले में हर जगह लड़ाई छिड़ी हुई है। राजनीतिक क्षेत्र की तो बात ही छोड़िए। सत्ताधारी दल और उसके पितृसत्तात्मक संगठन ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपना दुश्मन बताकर विपक्ष के प्रति अपने समर्थकों में इतनी नफरत बो दी है कि जब विपक्ष निष्पक्ष आलोचना भी करता है, तो उसे देशद्रोही समझा जाता है। विपक्ष को बदनाम करने के लिए राजनीतिक मुद्दों का इस्तेमाल करने के बजाय, उनके बारे में मनगढ़ंत कहानियां गढ़ी जाती हैं कि वे मुस्लिम समर्थक हैं, हिंदू विरोधी हैं और उन्होंने देश को बर्बाद कर दिया है। नेहरू को मुस्लिम साबित करने के लिए उनकी फर्जी वंशावली बनाई जाती है। महिलाओं का चरित्र हनन आम बात हो गई है।

अमेरिका के समक्ष अडिग रहे भारत



हाल में पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और फिर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रति जो नरमी दिखाई, वह इसी बात की पुष्टि करती है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्रीय हित सबसे अधिक महत्व रखते हैं। ट्रंप का यह कहना उल्लेखनीय तो है कि वे भारत से व्यापार समझौता करने के काफी करीब हैं और यह अलग किस्म का समझौता होगा, लेकिन आखिर उन पर कितना भरोसा किया जाए, क्योंकि वे पहले भी ऐसा कह चुके हैं। ट्रंप की नीतियां अनिश्चितता का परिचायक हैं। वे कभी किसी देश और यहां तक सहयोगी देशों पर भी भारी टैरिफ या प्रतिबंध लगाने की धमकी देते हैं और फिर अपनी बात और फैसलों से पलट जाते हैं। उनके इस अस्थिर रवैये का सामना भारत भी करता आ रहा है, लेकिन भारत ने उनकी उलटी-सीधी बयानबाजी पर सदैव संयम और दृढ़ता दिखाने के साथ ही उनके दबाव में आने से इन्कार किया। ऐसा करके उसने अमेरिका और विश्व को यही संदेश दिया कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए किसी के दबाव में आने वाला नहीं है। इसका बड़ा प्रमाण यह है कि भारत ने अमेरिका के इस दबाव के आगे झुकने से इन्कार किया कि वह रूस से तेल न खरीदे। इस मामले में भारत ने अमेरिकी धमकियों के जवाब में यही दोहराया कि वह अपने ऊर्जा हितों के लिए जो संभव है, वह करेगा। इसके बाद भी हमारे कुछ विपक्षी नेता और खासकर राहुल गांधी ने यह शोर मचाना नहीं छोड़ा कि मोदी सरकार ट्रंप के आगे नतमस्तक है अथवा उनके दबाव में है। पता नहीं अब वे क्या कहेंगे? ट्रंप का यह कहना सकारात्मक अवश्य है कि वे भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने वाले हैं। उनके विदेश मंत्री का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि भारत रिफाइनिंग क्षेत्र की महाशक्ति है, पर इसका अर्थ अमेरिका का भारत के प्रति अचानक उदार हो जाना नहीं, बल्कि उसका ऊर्जा संकट से घिर जाना और उसके हल में भारत का मददगार दिखना है। चंद दिन पहले जो अमेरिका एक खास कानून बनाकर रूस से तेल खरीद के कारण भारत समेत पांच देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने वाला था, उसने यकायक अपने कदम पीछे खींच लिए। इसका कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहराते ऊर्जा संकट में छिपा है। ईरान के साथ अमेरिका के टकराव और यूक्रेन की ओर से रूस के तेल स्रोतों पर हमले से उत्पन्न ऊर्जा संकट ने अमेरिका सहित विश्व भर की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कच्चे तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ी चुनौती बन गई है और वह भी ऐसे समय, जब वहां मध्यावधि चुनाव होने जा रहे हैं। ऊर्जा की बढ़ती कीमतें भी ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट का कारण बन रही हैं। ऊर्जा संकट का सामना कर रहे अमेरिका ने यह पाया कि भारत इस संकट से उसे और विश्व को भी राहत दिला सकता है। उसे यह अहसास इसलिए हुआ, क्योंकि भारत की रिफाइनरियां कच्चे तेल का बड़े पैमाने पर शोधन कर सकती हैं। इसी कारण भारत यूरोप समेत कई देशों को शोधित तेल का निर्यात कर रहा है। भारत से शोधित तेल खरीदने वाले देशों में रूस भी शामिल है। अमेरिका चाहता है कि भारत उसके आधिपत्य वाले वेनेजुएला के तेल स्रोतों से अधिकाधिक कच्चा तेल खरीदकर उसे शोधित कर उसका निर्यात करे। वेनेजुएला का कच्चा तेल कहीं अधिक गाढ़ा है। इसके शोधन की क्षमता बहुत कम देशों के पास है। भारत की कई रिफाइनरियां वेनेजुएला के गाढ़े कच्चे तेल का शोधन करने में सक्षम हैं। तथ्य यह भी है कि जहां अमेरिका में वर्षों से कोई नई रिफाइनरी नहीं लगी, वहीं यूरोपीय देशों ने अपनी कई रिफाइनरियां बंद कर दी हैं। ऐसे में अमेरिका समेत अन्य देशों की निगाह भारत की ओर है।

टीवी समाचार चैनलों पर सरकार की सख्ती



समाचार प्रसारण में जिम्मेदारी और तथ्यों की जांच पर जोर, हिंसक दृश्यों के बार-बार प्रसारण तथा संवेदनशील खबरों में लापरवाही पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जताई चिंता नई दिल्ली। टेलीविजन समाचार चैनलों पर प्रसारित होने वाली खबरों, बहसों और दृश्यों की गुणवत्ता को लेकर केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निजी टेलीविजन समाचार चैनलों को कार्यक्रम संहिता का कड़ाई से पालन करने की सलाह देते हुए समाचारों के प्रसारण में सावधानी, निष्पक्षता और संपादकीय जिम्मेदारी बरतने को कहा है। मंत्रालय की 21 अक्टूबर 2026 को जारी सलाह में अपराध, हिंसा, सांप्रदायिक विषयों, संवेदनशील घटनाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल से जुड़ी चिंताओं को प्रमुखता से उठाया गया है। मंत्रालय के अनुसार, विभिन्न चैनलों पर प्रसारित कुछ कार्यक्रम निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं पाए गए। अंतर-विभागीय समिति ने यह भी देखा कि कई बार अलग-अलग चैनलों पर एक ही विषय से जुड़ी खबरें और दृश्य समान तरीके से प्रसारित किए जाते हैं। इसके साथ ही अनुचित व्यवहार और आपत्तिजनक भाषा को सामान्य रूप में प्रस्तुत किए जाने पर भी चिंता जताई गई है। मंत्रालय ने प्रसारण संस्थानों से अपनी संपादकीय निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और खबरों की सत्यता सुनिश्चित करने को कहा है। अपराध और हिंसा की खबरों में सनसनी से बचने की सलाह समाचार चैनलों को अपराध और हिंसा से जुड़ी घटनाओं का प्रसारण करते समय विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसी खबरें प्रमाणित तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए और उन्हें संतुलित तथा जिम्मेदार तरीके से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। हिंसक या विचलित करने वाले दृश्यों को बार-बार दिखाने से बचने और जरूरत पड़ने पर संबंधित दृश्यों को धुंधला करने अथवा पहचान छिपाने जैसे उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अपराध से जुड़ी खबरों को इस तरह प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए, जिससे गैरकानूनी गतिविधियों का महिमामंडन हो या हिंसा को सामान्य व्यवहार के रूप में स्वीकार किए जाने का संदेश जाए। महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों की खबरें दिखाते समय अतिरिक्त संवेदनशीलता बरतने पर भी जोर दिया गया है। सांप्रदायिक बहस और भड़काऊ भाषा पर नियंत्रण जरूरी टेलीविजन पर होने वाली बहसों और परिचर्चाओं को लेकर भी मंत्रालय ने चैनलों को सतर्क किया है। सलाह में कहा गया है कि कार्यक्रमों के माध्यम से सांप्रदायिक वैमनस्य या राष्ट्रविरोधी भावनाओं को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए। इसके लिए बहस में शामिल होने वाले वक्ताओं का उचित चयन, कार्यक्रम से पहले उन्हें नियमों के प्रति जागरूक करना और प्रसारण के दौरान संपादकीय नियंत्रण बनाए रखना आवश्यक है। यदि किसी चर्चा के दौरान अपमानजनक, अभद्र या भड़काऊ टिप्पणी प्रसारित होती है, तो स्थिति के अनुसार संबंधित वक्ता की आवाज बंद करने, स्पष्टीकरण देने, प्रसारण रोकने या कार्यक्रम समाप्त करने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाचार मंचों का इस्तेमाल सामाजिक तनाव बढ़ाने या आपत्तिजनक सामग्री फैलाने के लिए न हो। आतंकवाद विरोधी अभियानों के सीधे प्रसारण पर रोक दोहराई मंत्रालय ने सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों के सीधे प्रसारण पर लागू प्रतिबंध को भी दोहराया है। ऐसे अभियान समाप्त होने तक चैनलों को अधिकृत अधिकारी की ओर से दी जाने वाली जानकारी के आधार पर ही समाचार प्रसारित करने चाहिए। अभियान से जुड़ी संवेदनशील गतिविधियों या सुरक्षा बलों की आवाजाही की तत्काल जानकारी प्रसारित करने से सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा हो सकते हैं। प्राकृतिक आपदाओं, बड़े हादसों और अन्य गंभीर घटनाओं की खबरों में भी प्रमाणित जानकारी देने पर जोर दिया गया है। जहां आवश्यक हो, दृश्य के साथ समय और तारीख स्पष्ट करने की सलाह दी गई है, ताकि पुराने दृश्यों को वर्तमान घटना का हिस्सा समझकर दर्शकों में अनावश्यक भय या भ्रम पैदा न हो। पीड़ितों की पहचान और देश के मानचित्र को लेकर भी निर्देश महिलाओं के विरुद्ध यौन अपराधों से जुड़े मामलों में पीड़ितों की पहचान सुरक्षित रखना समाचार चैनलों की जिम्मेदारी है। मंत्रालय ने कहा है कि तस्वीरों, परिवार की जानकारी, निवास क्षेत्र या अन्य ऐसे विवरणों का प्रसारण नहीं होना चाहिए, जिनसे पीड़ित की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पहचान उजागर हो सकती है। इस संबंध में लागू कानूनों और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। इसके अलावा, टेलीविजन कार्यक्रमों, चित्रों और डिजिटल प्रस्तुतियों में भारत के मानचित्र का इस्तेमाल करते समय भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित प्रामाणिक मानचित्रों का ही उपयोग करने की सलाह दी गई है।

शाहरुख के पजेसिस बिहेवियर से परेशान हो गई थी गौरी, जानें कैसी थी किंग खान की लव स्टोरी





शाहरुख खान और गौरी खान की लव स्टोरी में भी कई उतार-चढ़ाव आए। एक पुराने इंटरव्यू में शाहरुख ने माना था कि वह गौरी को लेकर काफी पजेसिव थे। बॉलीवुड के रोमांस किंग शाहरुख खान की असल लव स्टोरी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान की प्रेमकहानी भी काफी फिल्मी रही है। एक पुराने मीडिया इंटरव्यू में शाहरुख खान ने गौरी खान के साथ शुरू हुई लव स्टोरी से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया था। जिसमें उन्होंने ये बात स्वीकार की थी, रिश्ते के शुरुआती दिनों में गौरी खान को लेकर काफी पजेसिव थे। गौरी को लेकर काफी पजेसिव थे शाहरुख खान शाहरुख खान और गौरी खान ने एक पुराने इंटरव्यू में उनकी प्रेम कहानी के शुरुआती दिनों पर भी चर्चा की थी। इस दौरान शाहरुख ने स्वीकार किया था कि वह उस समय काफी पजेसिव और इनसिक्योर प्रेमी थे। शाहरुख खान ने मजाकिया अंदाज में बताया था कि वह गौरी को खुले बाल रखने और सफेद शर्ट पहनने तक की परमिशन नहीं देते थे। शाहरुख के इस खुलासे ने उनके रिश्ते के शुरुआती दौर की एक अलग तस्वीर सामने रखी थी। गौरी ने दी थी रिश्ता तोड़ने की धमकी शाहरुख की इस बात पर गौरी खान ने भी अपना रिएक्शन दिया था। उन्होंने बताया था कि बॉयफ्रेंड के रूप में शाहरुख का बिहेवियर कई बार परेशान करने वाला था। गौरी के अनुसार, उन्होंने शाहरुख से साफ कह दिया था कि अगर उन्होंने अपना व्यवहार नहीं बदला, तो वह उनसे दोबारा नहीं मिलेंगी। गौरी खान की इस बात से साफ था कि वह रिश्ते में अपनी स्वतंत्रता और सम्मान को भी उतना ही महत्व देती थीं। समय के साथ दोनों ने अपने रिश्ते को संभाला और एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश की। दिल्ली में हुई थी पहली मुलाकात शाहरुख और गौरी की मुलाकात साल 1984 में दिल्ली में एक दोस्त की पार्टी में हुई थी। उस समय शाहरुख 18 साल के थे, जबकि गौरी 14 साल की थीं। शुरुआत में शाहरुख गौरी के सामने काफी शर्माते थे, लेकिन धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। उनकी प्रेम कहानी में कई मुश्किलें भी आईं। एक समय ऐसा आया, जब दोनों अलग हो गए थे। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने रिश्ते को एक और मौका दिया और साथ रहने का फैसला किया।

शहजाद पूनावाला और ऋषभ जायसवाल में होगी जोरदार बहस, फैमिली स्पेशल में आएगा इमोशनल ट्विस्ट





राइज एंड फॉल 2 के फैमिली स्पेशल एपिसोड में प्रियंका चौधरी अपने भाई को देखकर भावुक हो गईं। वहीं, श्रेया कालरा की एंट्री के बाद शहजाद पूनावाला और ऋषभ जायसवाल के बीच बहस देखने को मिलेगी। अमेजन प्राइम के रियलिटी शो राइज एंड फॉल 2 में आज का एपिसोड काफी इमोशनल और धमाकेदार रहा है। आज सभी कंटेस्टेंट्स के फैमिली मेंबर्स शो में दस्तक देने वाले हैं। राइज एंड फॉल में आज फैमिली स्पेशल एपिसोड काफी इमोशनल होने वाला है। आज पेंटहाउस के सभी मेंबर्स के परिवार वाले और फ्रेंड्स शो में नजर आने वाले हैं। इस दौरान प्रियंका चाहर चौधरी अपने भाई योगेश चहर को देखकर भावुक होती नजर आएंगी, वहीं ऋषभ जायसवाल की गर्लफ्रेंड श्रेया कालरा की एंट्री के बाद घर में बहस का माहौल बन सकता है। प्रियंका चहर चौधरी का झलका दर्द राइज एंड फॉल 2 के फैमिली स्पेशल में प्रियंका चहर चौधरी के भाई योगेश चहर चौधरी उनसे मिलने आए है।

मंत्री सुबोध उनियाल की माफी पर बोले मीका सिंह, कहा- उम्मीद है अब खत्म होगा विवाद

दलेर मेहंदी और मंत्री सुबोध उनियाल के बीच हुए विवाद पर मीका सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। मंत्री के माफी मांगने पर मीका ने खुशी जताई और उम्मीद की कि अब मामला खत्म हो जाएगा।

मशहूर पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी और उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल के बीच चल रहे विवाद में एक नया मोड़ आया है। उत्तराखंड के कुंजापुरी मेले में दलेर मेहंदी के साथ हुई बदतमीजी के खिलाफ मीका सिंह ने अपने भाई के सपोर्ट में आवाज उठायी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हस्तक्षेप के बाद कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने दलेर मेहंदी से माफी मांगी है। जिसके बाद मीका सिंह का भी रिएक्शन सामने आया है। मीका सिंह ने सुबोध उनियाल के द्वारा लिए गए इस कदम की जमकर सराहना की है। साथ ही उन्होंने उम्मीद भी जतायी है कि अब दोनों पक्ष इस विवाद को पीछे छोड़कर आपसी सम्मान के साथ आगे बढ़ेंगे। सुबोध उनियाल की माफी पर मीका सिंह ने जताई खुशी मीका सिंह ने अपने बयान में कहा कि मैं इस बात की तारीफ करता हूं कि दलेर मेहंदी पाजी से जुड़ी घटना के लिए सुबोध उनियाल ने माफी मांगी है। कलाकारों और उनकी इज्जत का सम्मान करना बहुत जरूरी है। दलेर पाजी एक सीनियर कलाकार हैं, जिन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री में बहुत बड़ा योगदान दिया है और हर



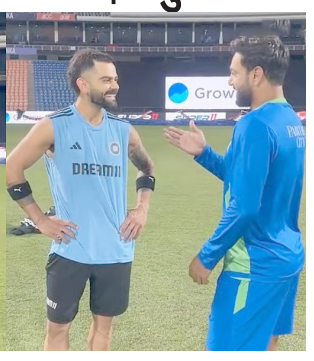


कलाकार सम्मान का हकदार है। उन्होंने आगे उम्मीद जताई कि इस घटना को पीछे छोड़कर सभी आपसी सम्मान और समझ के साथ आगे बढ़ेंगे। मीका सिंह ने जतायी थी कड़ी नाराजगी मीका के इस बयान से पहले वह मंत्री सुबोध उनियाल के व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जता चुके थे। उन्होंने मांग की थी कि मंत्री सुबोध उनियाल दलेर मेहंदी के सामने मंच पर की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगें। अब सुबोध उनियाल के माफी मांगने की बात सामने आने के बाद मीका ने सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने साफ किया है कि कलाकारों के सम्मान को लेकर उनकी चिंता अहम थी और वह चाहते हैं कि इस घटना को पीछे छोड़कर सभी आपसी सम्मान के साथ आगे बढ़ें। कुंजापुरी मेले में क्या हुआ था? दरअसल, यह पूरा मामला उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के नरेंद्रनगर में आयोजित कुंजापुरी मेले से जुड़ा है। यहां दलेर मेहंदी लाइव परफॉर्मेंस देने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री सुबोध उनियाल ने मंच पर ही सिंगर के प्रदर्शन पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि दलेर मेहंदी ठीक से गाना नहीं गा रहे हैं और लिप-सिंकिंग के जरिए परफॉर्म कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि सिंगर शराब पीकर कार्यक्रम में आए थे। मंत्री की इन टिप्पणियों के बाद विवाद खड़ा हो गया और सोशल मीडिया पर भी इस घटना को लेकर चर्चा शुरू हो गई। मीका सिंह ने किया था भाई का बचाव घटना का वीडियो सामने आने के बाद दलेर मेहंदी के भाई मीका सिंह ने खुलकर उनका समर्थन किया।

मीका ने कहा कि दलेर मेहंदी की तबीयत ठीक नहीं थी, इसके बावजूद उन्होंने दर्शकों के लिए करीब डेढ़ घंटे तक परफॉर्म किया। उन पर शराब पीकर आने का आरोप लगाया गया, जिससे दलेर मेहंदी की छवि को नुकसान पहुंचा।

T20 वर्ल्ड कप 2022 के उन 2 छक्कों को याद कर क्या बोले विराट कोहली? हारिस रऊफ को लेकर किया बड़ा खुलासा





विराट कोहली ने हारिस रऊफ की जमकर तारीफ की है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2022 के ऐतिहासिक मैच और रऊफ के खिलाफ लगाए दो यादगार छक्कों को याद करते हुए बड़ा बयान दिया है। विराट कोहली ने पाकिस्तानी गेंदबाज हारिस रऊफ के जमकर की तारीफ विराट ने भारत-पाकिस्तान के बीच खेले टी-20 विश्व कप को किया याद स्टार स्पोर्ट्स के यूट्यूब चैनल पर 'स्पोर्ट्स फाइल्स' इंटरव्यू में दिया बयान भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ की जमकर सराहना की है।

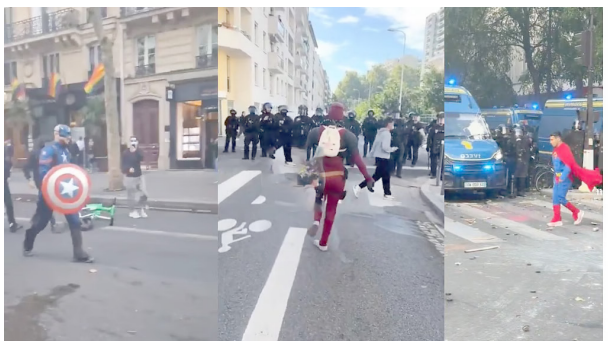
लगातार 2 हार के बाद न्यूजीलैंड टीम में बड़ा फेरबदल, तीसरे T20 से पहले चौंकाने वाले फैसले!



भारत से लगातार दो मैच हारने के बाद न्यूजीलैंड ने अपनी टीम में कई बड़े बदलाव किए हैं। मैट हेनरी पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं, वहीं लॉकी फर्ग्युसन भी तीसरा मैच नहीं खेलेंगे। भारत के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच से पहले न्यजीलैंड क्रिकेट टीम में बड़ा बदलाव भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी-20 मैच 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा ये सभी बदलाव प्लान्ड वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत किया गया भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रहीं 5 मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला मंगलवार, 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में खेला जाना है। सीरीज के शुरुआती दोनों मैच जीतकर टीम इंडिया 2-0 से आगे चल रही है। इस बीच, लगातार दो हार से बैकफुट पर आई कीवी टीम ने तीसरे मुकाबले से पहले अपने स्क्वॉड में कई बड़े और चौंकाने वाले बदलाव किए हैं। वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत न्यूजीलैंड ने अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों को आराम दिया है, जबकि कुछ नए चेहरों की टीम में एंट्री हुई है। ये खिलाड़ी हुए टीम से बाहर न्यूजीलैंड क्रिकेट के आधिकारिक बयान के अनुसार, अनुभवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी पूरी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह क्राइस्टचर्च में ही रुकेंगे और अब सीधे 2 नवंबर को ऑकलैंड में वनडे टीम के साथ जुड़ेंगे। इसके अलावा, लॉकी फर्ग्युसन मंगलवार को होने वाला तीसरा टी20 मैच नहीं खेलेंगे। वह ऑकलैंड के लिए रवाना हो रहे हैं और सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों (चौथे और पांचवें टी20) के लिए दोबारा टीम का हिस्सा बनेंगे। काइल जैमीसन और नए खिलाड़ियों पर बड़ी अपडेट बता दें कि लंबें कद के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन तीसरे टी20 मुकाबले के बाद वेलिंगटन में ही रुकेंगे। वह 31 अक्टूबर को कैंटरबरी के लिए फोर्ड ट्रॉफी का मुकाबला खेलने के बाद वनडे सीरीज के लिए नेशनल टीम में वापसी करेंगे।

फ्रांस प्रदर्शन में उतरे एवेंजर्स, पेरिस की सड़कों पर नजर आए ब्लैक पैंथर और कैप्टन अमेरिका

फ्रांस में सरकार की नीतियों और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन में सुपरहीरो की वेशभूषा पहने लोग नजर आए। वायरल वीडियो के बीच पुलिस से झड़पें हुईं और गिरफ्तारियां भी हुईं। फ्रांस में सुपरहीरो की वेशभूषा में प्रदर्शनकारियों का वीडियो वायरल हुआ पेरिस समेत कई शहरों में सरकार विरोधी प्रदर्शन आयोजित हुए देशभर में करीब 4.10 लाख लोग प्रदर्शनों में शामिल हुए फ्रां सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में पेरिस के प्रदर्शन स्थल पर ब्लैक पैंथर और कैप्टन अमेरिका की पोशाक पहने दो लोग दिखाई दे रहे हैं। दोनों अपने खास अंदाज में एक्शन करते नजर आते हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारी उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं। इसके बाद दोनों नारे लगाते हुए भीड़ का उत्साह बढ़ाते दिखाई देते हैं। वहीं, आसपास सुरक्षा बल बैरिकेडिंग करके इलाके की निगरानी करते नजर आते हैं। स में शनिवार का खराब शिक्षा व्यवस्था और सरकार की नीतियों को लेकर लाखों लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी मार्वल सुपर हीरो जैसे ब्लैक पैंथर, कैप्टन अमेरिका स्पाइडरमैन, सुपरमैन और डेडपूल के अवतार में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते नजर आए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी ये वयारल हो रहा है। हेलमेट और मास्क पहनकर प्रदर्शन कर रहे लोग



फ्रांस में प्रदर्शन के दौरान कई लोगों को मास्क, गॉगल्स और हेलमेट पहने देखा गया। बताया जा रहा है कि ये सुरक्षा इंतजाम पुलिस की कार्रवाई, लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रभाव से बचने के लिए किए गए हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर नेपोलियन बोनापार्ट और बैटमैन की वेशभूषा में प्रदर्शन कर रहे लोगों के वीडियो भी सामने आए थे। अलग-अलग किरदारों के रूप में विरोध जताने के इन तरीकों ने आंदोलन को सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना दिया है। सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे 4.10 लाख लोग फ्रांस के गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में आयोजित प्रदर्शनों में करीब 4 लाख 10 हजार लोग शामिल हुए, जिनमें अकेले पेरिस में करीब 1 लाख 10 हजार सरकार विरोधी प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन दौरान कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें भी हुईं और करीब 1,000 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प पेरिस समेत फ्रांस के कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव देखने को मिला। कुछ स्थानों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और भीड़ को आगे बढ़ने से रोकने के लिए कार्रवाई की। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ कट्टरपंथी समूहों ने पुलिस पर वस्तुएं फेंकीं और पटाखों का इस्तेमाल कर झड़पें भड़काने की कोशिश की। मैक्रों सरकार के फैसलों पर भी विवाद प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को लेकर भी विवाद सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाने से जुड़े एक आदेश को अदालत ने उसी दिन पलट दिया था। इस घटनाक्रम के बाद प्रदर्शन और राजनीतिक बहस तेज होने की खबरें सामने आईं। फ्रांस में 70 हजार पुलिसकर्मी तैनात फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि प्रदर्शनों के मद्देनजर देशभर में करीब 70 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

...असहाय दर्शक बनकर नहीं रह सकते, मिडिल ईस्ट संकट को लेकर एस जयशंकर का बयान; संवाद और कूटनीति को जरूरी बताया



विदेश मंत्री ने मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध को लेकर कहा कि संवाद और कूटनीति जरूरी है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि युद्ध कहीं हो हर जगह के लिए खतरा है। मिडिल ईस्ट तनाव को लेकर एस जयशंकर ने दिया बयान कहीं भी युद्ध हो लेकिन हर जगह शांति के लिए खतरा है अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ने वाले दूरगामी प्रभाव पर चिंता जताई मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कहीं भी युद्ध हो रहा हो लेकिन हर जगह शांति के लिए खतरा है। उन्होंने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्षों और दुनिया भर के लोगों और अर्थव्यवस्थाओं पर उनके दूरगामी प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर दिल्ली में आयोजित चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन में बोलते हुए, जयशंकर ने भारत के इस रुख को दोहराया कि संवाद और कूटनीति ही संघर्षों को सुलझाने का एकमात्र तरीका है। भारत संघर्ष कम करने के लिए तैयार एस जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया में दो प्रमुख संघर्ष चल रहे हैं। यूक्रेन में और पश्चिम एशिया या मध्य पूर्व में। समाज और अर्थव्यवस्थाएं, दूर-दराज के लोग, जिनकी इस मामले में बहुत कम राय है, वास्तव में इसकी कीमत चुका रहे हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय मूक दर्शक बनकर नहीं रह सकता, जयशंकर ने कहा कि भारत संघर्षों को सुलझाने के लिए स्वयं प्रयास कर रहा है और शांति बहाल करने के लिए अन्य देशों के साथ काम करने को तैयार है। आतंकवाद पर एस जयशंकर की दो टूक उन्होंने आगे कहा कि हम असहाय दर्शक बनकर नहीं रह सकते। भारत वैश्विक भावना को व्यक्त करता है जब हम कहते हैं कि संवाद और कूटनीति ही एकमात्र समाधान हैं। हम स्वयं प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में अन्य साझेदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं।

अचानक चीन पहुंचे किम जोंग उन, चीनी नेता वांग हुनिंग से की मुलाकात, दक्षिण कोरिया में बढ़ी हलचल

किम जोंग उन ने चीन के डांडोंग शहर का अचानक दौरा कर वांग हुनिंग से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों और आपसी सहयोग को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। किम जोंग उन ने चीन के डांडोंग शहर का दौरा किया वांग हुनिंग से मुलाकात में द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर जोर दिया किम ने कोरियाई युद्ध में शहीद चीनी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने चीन के साथ अपने देश के ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, किम ने शनिवार को चीन के सीमावर्ती शहर डांडोंग का अचानक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चीन के वरिष्ठ नेता वांग हुनिंग से मुलाकात की । दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (KCNA) के हवाले से यह



खबर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, किम जोंग उन के साथ सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी और उत्तर कोरियाई सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी भी चीन पहुंचे थे। इनमें विदेश मंत्री चो सोन हुई, किम की बहन किम यो जोंग और पार्टी के वरिष्ठ नेता जो योंग वोन शामिल थे। चीन की ओर से विदेश मंत्री वांग यी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित रहे। सितंबर 2025 के बाद किम की पहली चीन यात्रा यह सितंबर 2025 के बाद किम जोंग उन की चीन की पहली ज्ञात यात्रा है। इससे पहले वह द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने बीजिंग गए थे। उस दौरान उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात की थी। वर्ष 2011 में सत्ता संभालने के बाद किम का यह छठा चीन दौरा है। कोरियाई युद्ध में शहीद चीनी सैनिकों को दी श्रद्धांजलि चीन यात्रा के दौरान किम जोंग उन ने 1950 से 1953 के बीच हुए कोरियाई युद्ध में हिस्सा लेने वाले चीनी सैनिकों के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पश्चिम एशिया में बढ़ रहा तनाव! हूतियों ने सऊदी अरब के तेल ठिकानों और हवाई अड्डों पर हमलों का दावा किया



हूतियों ने सऊदी अरब के तेल ठिकानों और हवाई अड्डों पर हमलों का दावा किया है। हालात की वजह से भारतीय एयरलाइन ने सऊदी की यात्रा कैंसिल कर दी है। पश्चिम एशिया में सऊदी और हूतियों के बीच तनाव बढ़ रहा है हूतियों ने ऑयल साइट और हवाई अड्डों को निशाना बनाने का दावा किया मक्का और मदीना पर हमले को लेकर दावा किया गया पश्चिम एशिया में सऊदी अरब और ईरान समर्थित हूतियों के बीच तनाव शनिवार को और बढ़ गया। हूतियों ने सऊदी में तेल सुविधाओं और हवाई अड्डों को निशाना बनाकर किए गए हमलों को लेकर नया दावा किया। हूतियों ने कहा कि उन्होंने यानबू में सऊदी अरामको की एक सुविधा, रबीघ तेल रिफाइनरी और रियाद में किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया।

एलन मस्क का यूक्रेन पर गंभीर आरोप, कहा- लोगों को मारने के लिए ड्रोन हमलों में किया Starlink का इस्तेमाल

मस्क ने यूक्रेनी सेना पर ड्रोन हमलों में Starlink के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। इस बीच, Starlink और Starshield की सेवाएं यूक्रेन के सैन्य संचार सुरक्षा के लिए अहम बनी हुई हैं।

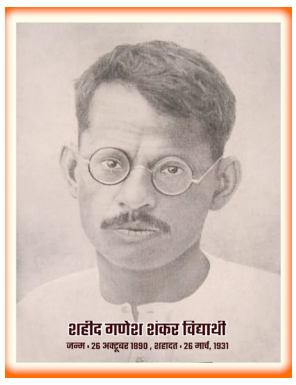
एलन मस्क ने यूक्रेन पर Starlink की सेवा शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया। मस्क के मुताबिक, नेटवर्क का इस्तेमाल आक्रामक ड्रोन हमलों में किया गया। SpaceX ने कथित तकनीकी खामी को ठीक करने का दावा किया। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने यूक्रेनी सेना पर स्टारलिंक की सेवा शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। मस्क के मुताबिक, यूक्रेन ने इस सैटेलाइट इंटरनेट नेटवर्क का इस्तेमाल लोगों को निशाना बनाने वाले आक्रामक ड्रोन हमलों में किया। यह बयान ऐसे समय आया है, जब



स्टारलिंक की सेवाओं को लेकर अमेरिका और यूक्रेन के बीच तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। मस्क ने सेवा शर्तों का दिया हवाला स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए कहा कि यूक्रेनी सेना ने स्टारलिंक का इस्तेमाल उन गतिविधियों के लिए किया, जिनकी अनुमति सेवा की शर्तें नहीं देतीं। उन्होंने दावा किया कि इस तकनीकी खामी को पिछले सप्ताह ठीक कर दिया गया था। मस्क ने स्पष्ट किया कि स्टारलिंक को नागरिक संचार प्रणाली के रूप में तैयार किया गया है, न कि लोगों को मारने के साधन के तौर पर। उन्होंने चेतावनी दी कि सेवा की शर्तों का उल्लंघन होने पर कनेक्शन बंद किया जा सकता है। हालांकि, मस्क के आरोपों के समर्थन में स्वतंत्र पुष्टि की जानकारी सामने नहीं आई है। यूक्रेन की सेना के लिए क्यों अहम है Starlink? रूस के फरवरी 2022 के हमले के बाद से स्टारलिंक यूक्रेन के संचार तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। यूक्रेनी सेना इसका इस्तेमाल सैन्य संचार, लॉजिस्टिक्स और ड्रोन अभियानों के लिए करती है। यूक्रेन स्टारलिंक के अलावा स्पेसएक्स की सैन्य संचार सेवा स्टारशील्ड पर भी निर्भर है। मस्क ने भी स्वीकार किया कि यूक्रेन की सुरक्षा के लिहाज से स्टारलिंक बेहद महत्वपूर्ण है। उनके मुताबिक, इस नेटवर्क में बाधा आने से यूक्रेन की अग्रिम मोर्चों पर स्थिति प्रभावित हो सकती है।

शहीद और क्रांतिकारी गणेश शंकर विद्यार्थी के 136 वें जन्मदिवस पर विशेष।

आज जब चारों ओर पत्रकारिता के मूल्यों के क्षरण की चर्चाएं हो रही हैं। पीत-पत्रकारिता, पेड-न्यूज , फेक न्यूज, टीआरपी केन्द्रित पत्रकारिता और टीआरपी बढ़ाने का गोरखधंधा, हर खबर को सनसनी की तरह पेश करना, आम जन के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए मुद्दे खड़े करके पेश करना सहित अनेक प्रकार की समस्याएं मौजूदा पत्रकारिता के सामने मुंह बाए खड़ी हैं। ऐसे में हमें पत्रकारिता की उस शख्सियत की रह-रह कर याद आती है, जिसने देश को साम्प्रदायिकता के मुंह में जाने से रोकने के लिए ना केवल कलम चलाई, बल्कि दंगों के बीच में जाकर दंगे रोकने की कोशिश की और शहादत दे दी। जी हां हम गणेश शंकर विद्यार्थी की ही बात कर रहे हैं। विद्यार्थी पत्रकार और संपादक होने के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी की लड़ाई के सिपाही थे। उन्होंने 'प्रताप' अखबार की शुरूआत की थी, जिसने भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया। गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्तूबर, 1890 को इलाहाबाद के अतरसुईया मोहल्ले में हुआ था। माता का नाम गोमती देवी था। पिता जय नारायण ग्वालियर रियासत में मुंगावली स्थित एंग्लो वर्नाक्युलर स्कूल के प्रधानाध्यापक थे। यहीं विद्यार्थी की प्रारंभिक शिक्षा हुई। 1907 में प्राईवेट विद्यार्थी के रूप में कानपुर से एंट्रेस पास करके इलाहाबाद के एक कॉलेज में दाखिला लिया। इसी दौरान वे साप्ताहिक कर्मयोगी में पंडित सुंदरलाल के साथ संपादन सहयोग करने लगे। उन्हीं की प्रेरणा से गणेश शंकर ने अपने नाम के साथ विद्यार्थी जोड़ दिया, जो आजीवन



जुड़ा रहा। 1911 में विद्यार्थी जी 25 रूपये मासिक वेतन पर साहित्यिक पत्रिका 'सरस्वती' में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के सहायक नियुक्त हुए। अपनी लगन, मेहनत व प्रतिभा से विद्यार्थी ने द्विवेदी जी को मुग्ध कर लिया। सरस्वती पत्रिका साहित्यिक थी और विद्यार्थी जी की दिलचस्पी राजनैतिक विषयों में अधिक थी। इसलिए करीब एक वर्ष यहां काम करने के बाद वे 29 दिसंबर, 1912 को मदनमोहन मालवीय के अखबार 'अभ्युदय' में चले गए। विद्यार्थी ने निरंतर घाटे में चल रहे अभ्युदय में जान फूंक दी और इसकी पाठक संख्या भी बढने लगी। यहां काम करते हुए अभी एक साल भी नहीं बीता था कि अचानक विद्यार्थी जी का स्वास्थ्य खराब हो गया और उन्हें कानपुर जाना पड़ा। कानपुर में महाशय काशीनाथ अरोड़ा और शिवनारायण मिश्र के साथ उनका बातों का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर विद्यार्थी जी अभ्युदय में इलाहाबाद वापिस नहीं गए। उन्होंने बिना अधिक तैयारी के कानपुर से ही साप्ताहिक अखबार 'प्रताप' का संपादन शुरू कर दिया। साप्ताहिक के बाद सात वर्ष बाद 1920 में उसे दैनिक कर दिया। उन्होंने प्रभा नाम की साहित्यिक और राजनैतिक मासिक पत्रिका भी निकाली। प्रताप निर्भीक व निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाना जाने लगा। इसने आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई। भगत सिंह ने बलवंत सिंह के नाम से करीब ढ़ाई साल तक पत्रकारिता की। प्रताप क्रांतिकारियों की अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण मंच था। यहां पर बहुत से क्रांतिकारियों ने शरण भी हासिल की। विद्यार्थी जी ने भगत सिंह की चंद्रशेखर आजाद के साथ मुलाकात करवाई। इसके बाद शिव वर्मा सहित अनेक क्रांतिकारी जुड़ते चले गए। विद्यार्थी जी ने रामप्रसाद बिस्मिल की आत्मकथा को जेल से प्राप्त किया और उसे प्रताप के माध्यम से उजागर किया। विद्यार्थी ने बिस्मिल की मां की मदद की। रोशन सिंह की बहन का कन्यादान किया। प्रताप के माध्यम से विद्यार्थी जी ने महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह सहित विभिन्न आंदोलनों को कवर किया। बालकृष्ण शर्मा नवीन, सोहन लाल द्विवेदी व प्रताप नारायण मिश्र इत्यादि ने प्रताप के माध्यम से अपनी रचनाओं को जन-जन तक पहुंचाया। विद्यार्थी जी ने प्रताप के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत को तो कटघरे में खड़ा करने के साथ-साथ भारतीय सामंतों, जागीरदारों और राजाओं के अत्याचारों पर भी जमकर लिखा। समझौताविहीन लेखनी की वजह से उन्हें पांच बार जेल यात्राएं करनी पड़ी। विद्यार्थी जी धर्म और राजनीति के मेल के खिलाफ थे। उन्होंने धार्मिक कट्टरता, अंधराष्ट्रवाद और धर्म-जाति के आधार पर लोगों को आपस में बांटने की तीखी आलोचना की। 27 अक्तूबर, 1924 को विद्यार्थी जी ने प्रताप में धर्म की आड़ नाम से लेख लिखा। इसमें उन्होंने आम लोगों की धर्म की आस्था और स्वार्थी लोगों द्वारा धार्मिक भावनाएं भडक़ा कर अपना उल्लू सीधा करने की सच्चाई को बहुत तार्किक ढ़ंग से समझाया है। उन्होंने लिखा-'देश में धर्म की धूम है और इसके नाम पर उत्पात किए जा रहे हैं। लोग धर्म का गर्म जाने बिना ही इसके नाम पर जान लेने या देने के लिए तैयार हो जाते हैं।..धर्म और ईमान के नाम पर किए जाने वाले इस भीषण व्यापार को रोकने के लिए साहस और दृढ़ता के साथ उद्योग होना चाहिए।..अजां देने, शंख बजाने, नाक दाबने और नमाज पढने का नाम धर्म नहीं है।' जब कानपुर में दंगे भडक़े तो विद्यार्थी जी केवल अखबार में लिखकर ही संतुष्ट नहीं हो गए। दंगों को रोकने के लिए वे दंगाईयों के बीच आ गए।

उन्होंने लोगों को समझाया और दंगा रोकने की कोशिश की। लेकिन एक स्थान पर वे खुद दंगे की चपेट में आ गए। भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की शहादत के तीसरे ही दिन 25 मार्च, 1931 को वे शहीद हो गए।

गणेश शंकर विद्यार्थी ने कलम और कर्तव्य के लिए शहादत की मिसाल कायम की। आज के कलमकारों के लिए विद्यार्थी जी ही आदर्श होने चाहिएं। ऐसे लोग नहीं जो अपने जरा से स्वार्थ के लिए कलम को गिरवी रख देते हों। आज के अंधराष्ट्रवाद, धर्मांधता और साम्प्रदायिकता के दौर में गणेश शंकर विद्यार्थी, उनकी लेखनी व कार्य और ज्यादा प्रासंगिक हैं।

स्रोत-राष्ट्रीय हिन्दी मेल समाचारपत्र
26 अक्टूबर 2020
संकलन हसरत अली
शेरपुर जिला मुज़फ़्फ़रनगर उत्तर प्रदेश

मुंबई से बॉलीवुड का बाहर

वर्कर्स से जुड़े विवाद को लेकर महायुति सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री को असुरक्षित महसूस होना गृह विभाग और मुख्यमंत्री की विफलता का सीधा प्रमाण है। सपकाल ने वायरल ऑडियो क्लिप, ट्रिपल इंजन सरकार में गैंगवार और 500 करोड़ के लेन-देन के आरोपों को लेकर भी सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए। मुंबई से बॉलीवुड का बाहर जाने पर बरसे सपकाल महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा, ऑल इंडिया सिने वर्कर्स जो मांग कर रहे हैं, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मगर उनकी जो मांग है, वह सीधा-सीधा राज्य की लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था की तरफ इशारा करती है। इस राज्य के जो गृह मंत्री हैं, जो मुख्यमंत्री भी हैं, उन पर किसी भी प्रकार का विश्वास अब रहा नहीं है। इसके साथ-साथ इन तमाम अपराधियों को कहीं न कहीं गृह विभाग से और मुख्यमंत्री की तरफ से बल मिल रहा है।

500 करोड़ के ऑडियो क्लिप विवाद

है। जो सवाल मनोज जरांगे पाटिल के मन में आया है, वह मेरे मन में भी आया है और मैं अब उस रकम को ढूंढने निकला हूं। 72 घंटे बाद शिंदे बोले ऑडियो क्लिप विवाद के करीब 72 घंटे बाद डीसीएम एकनाथ शिंदे का बयान आया है। उन्होंने पार्टी के मंत्रियों, विधायकों और दूसरे पदाधिकारियों से कहा है कि वे इन सब विवादों को छोड़ सूखे से परेशान किसानों की मदद के लिए काम करें। शिंदे ने सभी को इस कड़वाहट से बचने और किसानों की मदद करने की पहल करने का निर्देश दिया है। राज्य में सूखे की स्थिति बहुत गंभीर है। ऐसे समय में मुश्किल समय में किसानों का साथ देना शिवसेना का पहला कर्तव्य है। किसानों की मदद पर ध्यान देने की अपील एकनाथ शिंदे ने पार्टी नेताओं से राजनीतिक कड़वाहट से बचने और सूखे से प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए काम करने को कहा। इस बीच, मनोज जरांगे के आरोपों और ऑडियो क्लिप को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। मामले में आरोपों की सत्यता और कथित रकम से जुड़े तथ्यों की पुष्टि होना बाकी है।

मुंबई में अवैध झोपड़ों पर एसआरए

तुरंत मिलेगी सूचना। मुंबई में सरकारी जमीनों पर बढ़ते अवैध झोपड़ों और अतिक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण (एसआरए) ने आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। प्राधिकरण ने 'नेत्रम' डिजिटल प्रणाली के जरिए सरकारी जमीनों पर होने वाले नए निर्माणों की निगरानी शुरू की है। इस व्यवस्था में सैटेलाइट तस्वीरों की मदद से पुराने और मौजूदा निर्माणों की तुलना की जा रही है, ताकि नए अवैध ढांचों की पहचान कर संबंधित एजेंसियों को कार्रवाई के लिए सूचित किया जा सके। 2011 की तस्वीरों से होगी नए निर्माणों की पहचान एसआरए की इस प्रणाली में वर्ष 2011 की सैटेलाइट तस्वीरों की तुलना मौजूदा तस्वीरों और जमीनी स्थिति से की जाती है। महाराष्ट्र रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर से प्राप्त पुरानी तस्वीरों के आधार पर यह पता लगाने में मदद मिलती है कि संबंधित स्थान पर पहले से झोपड़ा मौजूद था या वहां बाद में निर्माण किया गया। इससे सरकारी जमीनों पर नए अतिक्रमण और पुराने ढांचों में हुए विस्तार की पहचान करना आसान हो सकता है। एसआरए मुख्यालय में स्थापित किया गया नेत्रम कक्ष एसआरए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. महेंद्र कल्याणकर की देखरेख में इस प्रणाली को विकसित किया गया है। इसके निर्माण में गुजरात स्थित भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशंस एंड जियो-इन्फॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) ने तकनीकी सहयोग दिया है। प्रणाली के संचालन और निगरानी के लिए एसआरए मुख्यालय में अलग से 'नेत्रम' कक्ष स्थापित किया गया है। 2011 तक के झोपड़ों के पुनर्वास पर नीति का जोर राज्य सरकार की नीति के अनुसार, निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले 2011 तक के झोपड़े पुनर्वास के पात्र हो सकते हैं। इसके बाद बने निर्माणों की पहचान और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करना महत्वपूर्ण है। हालांकि, केवल निर्माण की तारीख के आधार पर पुनर्वास की पात्रता तय नहीं होती; अन्य निर्धारित शर्तों की जांच भी जरूरी है। बीएमसी, म्हाडा और रेलवे की जमीनों पर भी निगरानी मुंबई शहर में राज्य सरकार, म्हाडा, बीएमसी, रेलवे और अन्य सरकारी एजेंसियों की जमीनों पर अतिक्रमण की शिकायतें सामने आती रही हैं। नेत्रम प्रणाली के जरिए संबंधित जमीन मालिक विभागों को संभावित अवैध निर्माणों की जानकारी साझा करने की व्यवस्था बनाई गई है, जिससे स्थल निरीक्षण और नियमानुसार कार्रवाई में तेजी आ सकती है। अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण एसआरए ने मुंबई बीएमसी, म्हाडा, अतिरिक्त जिलाधिकारी कार्यालय, एमएमआरडीए और एमएसआरडीसी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को इस प्रणाली के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया है। इसका उद्देश्य अवैध निर्माणों की लोकेशन की पहचान, विभागों के बीच समन्वय और समय पर कार्रवाई को आसान बनाना है। प्राधिकरण को उम्मीद है कि तकनीक के इस्तेमाल से नए अतिक्रमण रोकने और झोपड़पट्टी पुनर्वास प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

पृष्ठ 1/8 का शेष

अमर शहीद राव राम बख्श सिंह

महाराष्ट्र के इतिहास तथा मराठी भाषा के विकास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बिनोद शालिवाहन त्रिपाठी शालिवाहन सेवा भावी संस्था के माध्यम से समाज को एक मंच पर लाने, युवाओं को ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराने और शिक्षा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए सामाजिक जागरूकता बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। समाजसेवा, सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक चेतना को एक साथ जोड़ने की यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से परिचित कराने का माध्यम बन सकती है। इतिहास से जुड़े स्मारकों, महापुरुषों और परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ उनके बारे में प्रमाणिक जानकारी का प्रसार भी समय की जरूरत है। इतिहास केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होता। चौक, स्मारक, शिलालेख और सांस्कृतिक आयोजन भी समाज की सामूहिक स्मृति को जीवित रखते हैं। अमर शहीद राव राम बख्श सिंह चौक और शालिवाहन शक संवत से जुड़े प्रतीकों के माध्यम से ऐतिहासिक विरासत पर चर्चा को आगे बढ़ाया जा सकता है। बिनोद शालिवाहन त्रिपाठी और शालिवाहन सेवा भावी संस्था के प्रयासों का उद्देश्य भी समाज में ऐतिहासिक जागरूकता, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना है। जरूरत इस बात की है कि ऐसी पहलों के साथ ऐतिहासिक तथ्यों का दस्तावेजीकरण हो, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी विरासत को सही संदर्भों में समझ सकें और उसका महत्व पहचान सकें।

मुंबई में जमीन से 100 फीट

में 21 किमी तक है भूमिगत सुरंग महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आने वाले कॉरिडोर की सबसे बड़ी खासियत 21 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग है। इसका लगभग 7 किलोमीटर हिस्सा ठाणे खाड़ी के नीचे समुद्र के भीतर से गुजरेगा। यह भारत की पहली ऐसी रेल सुरंग होगी जो समुद्र तल की चट्टानों को चीरकर बनाई जा रही है। जब ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की शीर्ष रफ्तार से दौड़ेगी, तब मुंबई से ठाणे के बीच का यह समुद्री फासला महज कुछ ही मिनटों में तय हो जाएगा। श की आर्थिक राजधानी व मायानगरी मुंबई में आधुनिक इंजीनियरिंग का अजूबा तैयार हो रहा है। शहर बहुत जल्द परिवहन के एक नए युग में प्रवेश करने जा रही है। मुंबई से अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबे हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर निर्माण कार्य अब अंतिम चरण की ओर अग्रसर है। इस पूरे प्रोजेक्ट का सबसे जटिल, चुनौतीपूर्ण और तकनीकी रूप से समृद्ध केंद्र मुंबई और उसका नजदीकी उपनगरीय क्षेत्र बना हुआ है। मुंबई के प्रमुख व्यापारिक केंद्र बीकेसी में जमीन से 100 फीट नीचे बुलेट ट्रेन का एक विशाल अंडरग्राउंड टर्मिनल आकार ले रहा है, जबकि ठाणे खाड़ी के नीचे देश की पहली अंडर-सी रेल सुरंग बनाई जा रही है। कॉरिडोर पर पहली बुलेट ट्रेन वर्ष 2027 की अंतिम तिमाही में पटरी पर उतारने का लक्ष्य तय किया गया है। यह जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दी। आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग का नायाब नमूना मुंबई का बीकेसी स्टेशन पूरे बुलेट ट्रेन रूट का एकमात्र भूमिगत स्टेशन होगा। जमीन से लगभग 100 फीट नीचे चल रही खुदाई आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग का एक नायाब नमूना पेश कर रही है। इतनी गहराई में तीन तल तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें यात्रियों के आवागमन के लिए विशाल कॉनकोर्स, आधुनिक यात्री सुविधाएं और तकनीकी संचालन क्षेत्र शामिल हैं। स्टेशन पर 400 मीटर से अधिक लंबे कुल 6 प्लेटफॉर्म बनाए जा रहे हैं, जहां 16 कोच वाली पूरी बुलेट ट्रेन आसानी से खड़ी हो सकेगी। मुंबई के इस व्यस्त कारोबारी इलाके में यातायात और सतह की संरचनाओं को प्रभावित किए बिना इस विशालकाय स्टेशन को आकार दिया जा रहा है। दो घंटे में मुंबई से अहमदाबाद मुंबई से साबरमती तक 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर ठाणे, विरार, बोईसर, सूरत और वडोदरा सहित कुल 12 स्टेशन होंगे। 300 किमी प्रति घंटे की औसत रफ्तार से चलने वाली बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच का 6 से 8 घंटे का सफर घटाकर महज दो घंटे कर देगी। इससे मुंबई, ठाणे और पालघर बेल्ट के दैनिक यात्रियों और उद्यमियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेल मंत्रालय के अनुसार मुंबई में भूमिगत सिविल कार्य पूरा होते ही ट्रैक बिछाने और ओवरहेड बिजली लाइन लगाने का काम शुरू होगा।

चलती ट्रेन में शराबी यात्री

टीटीई के साथ मारपीट की। हमले में टीटीई घायल हो गए और उनकी वर्दी खून से सन गई। आरोपियों ने उनका इलेक्ट्रॉनिक फेयर टिकट (ईएफटी) और हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) मशीन भी छीन ली। आधी रात को कंट्रोल रूम से मांगी मदद यह घटना हजरत निजामुद्दीन-बांद्रा टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12910) में रतलाम से वडोदरा के बीच हुई। ड्यूटी पर तैनात टीटीई अमित और बसंत ने रात 1:27 बजे कंट्रोल रूम को सूचना दी कि एक शराबी यात्री सीटी बजाकर दूसरे यात्रियों को परेशान कर रहा है। स्टाफ ने सुरक्षा की मांग भी की। इसके कुछ देर बाद, रात 2:14 बजे, उपद्रवी यात्रियों के समूह ने टीटीई बसंत के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट की। इस दौरान उन्हें चोटें आईं और उनके कपड़ों पर खून लग गया। हमलावर उनका ईएफटी और एचएचटी उपकरण लेकर चले गए। गोधरा में ट्रेन रोकने की गुहार, नहीं मिला ठहराव घायल टिकट जांच स्टाफ ने रात 2:34 बजे गोधरा स्टेशन पर आपातकालीन ठहराव देने की गुहार लगाई। हालांकि, उनकी मांग के बावजूद ट्रेन वहां नहीं रोकी गई। इसके बाद ट्रेन वडोदरा स्टेशन पहुंची, जहां रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम भी उपद्रवी यात्रियों की भारी भीड़ के बीच आरोपियों को ट्रेन से उतारने में असमर्थ रही। रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल घटना के बाद ट्रेन में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मामले में बांद्रा टर्मिनस पर भारी पुलिस बल तैनात करने की मांग भी सामने आई है, ताकि मुंबई ट्रेन के पहुंचने पर स्थिति को संभाला जा सके और यात्रियों तथा रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

त्योहारों से पहले तुकाराम

के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई, जिसमें 3.15 करोड़ का माल और वाहन जब्त किए गए। गंदगी और किचन में कॉकरोच-चूहे राज्यभर में खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान भयानक लापरवाही सामने आई। कई होटलों और निर्माण इकाइयों के किचन व ड्रेनेज सिस्टम में भारी गंदगी मिली, चूहे और कॉकरोच घूमते पाए गए, शाकाहारी और मांसाहारी भोजन एक साथ स्टोर किया जा रहा था, तथा अनधिकृत कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल हो रहा था। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर 68 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए और 7 को बंद करा दिया गया। नागरिकों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कोई समझौता नहीं होगा।

भिवंडी में 'वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान के दूसरे चरण का आगाज, 25 नवंबर तक चलेगा जनजागरण

कांग्रेस की पत्रकार वार्ता में कार्यक्रमों की रूपरेखा घोषित, शहर के विभिन्न इलाकों में लगेंगी मतदाता जागरूकता चौपाल

अब्दुल गनी खान/गनी खान

भिवंडी,भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत रविवार को भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित पत्रकार वार्ता में की गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने अभियान के पहले चरण में किए गए जनजागरण कार्यक्रमों की जानकारी दी और दूसरे चरण के तहत शहरभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पेश की। कांग्रेस की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं सांसद केसी वेणुगोपाल के 5 अक्टूबर 2026 के परिपत्र के अनुसार यह अभियान 10 अक्टूबर से 25 नवंबर तक चलाया जा रहा है। इसके पहले चरण में 10 से 20 अक्टूबर तक नागरिकों को मतदान के संवैधानिक अधिकार के प्रति जागरूक करने और मतदाता सूची में अपना नाम जांचने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अभियान के दूसरे चरण में 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक भिवंडी के विभिन्न प्रभागों, बस्तियों और इलाकों में 'वोट बचाओ–देश बचाओ चौपाल' आयोजित की जाएंगी। इन चौपालों के माध्यम से नागरिकों से सीधा संवाद कर मतदाता सूची में नाम की जांच, गलत प्रविष्टियों के प्रति जागरूकता और आवश्यक सुधार की प्रक्रिया के बारे में



जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के तहत 26 अक्टूबर को कांग्रेस पदाधिकारियों की समन्वय बैठक और 27 अक्टूबर को बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) व कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना है। वहीं, 28 अक्टूबर से बूथ स्तर पर मतदाता जागरूकता और मतदाता सूची के सत्यापन का अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस की योजना के अनुसार, मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतों को संकलित किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर नागरिकों को संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी या सक्षम प्राधिकारी के समक्ष नियमानुसार शिकायत दर्ज कराने और सुधार प्रक्रिया में मदद की जाएगी। अभियान का उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 326 और वयस्क मताधिकार के महत्व को लोगों तक पहुंचाना, प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में अपना नाम जांचने के लिए प्रेरित करना और मतदान के अधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी का सोशल मीडिया विभाग फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और एक्स के माध्यम से पोस्टर, वीडियो और जागरूकता संदेश प्रसारित करेगा। प्रत्येक चौपाल की रिपोर्ट तैयार कर जनभागीदारी और शिकायतों पर की गई कार्रवाई का रिकॉर्ड भी रखा जाएगा। भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आबिद मुन्सफ खान के मार्गदर्शन में चलने वाले इस अभियान में ब्लॉक अध्यक्षों, कांग्रेस पदाधिकारियों, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, बूथ लेवल एजेंट और सोशल मीडिया विभाग की भागीदारी रहेगी। अभियान का समापन 25 नवंबर को होगा। इसके बाद पूरे अभियान की समीक्षा कर एक समेकित रिपोर्ट कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व को सौंपी जाएगी।

मुंबई में जमीन से 100 फीट नीचे बनेगा बुलेट ट्रेन स्टेशन, ठाणे खाड़ी के नीचे तैयार हो रही सुरंग



Mumbai Ahmedabad Bullet Train कॉरिडोर पर BKC में जमीन से 100 फीट नीचे भूमिगत स्टेशन और ठाणे खाड़ी के नीचे रेल सुरंग बन रही है। पहली ट्रेन 2027 के अंत तक चलाने का लक्ष्य है। भूमिगत स्टेशन पर 400 मीटर से अधिक लंबे 6 प्लेटफॉर्म बनाए जा रहे हैं। इसमें करीब 7 किलोमीटर हिस्सा ठाणे खाड़ी के नीचे होगा। मुंबई से साबरमती तक बुलेट ट्रेन का नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। दे महाराष्ट्र ...शेष 7 पर

भिवंडी के राजीव गांधी फ्लाईओवर पर फिर हादसा, RCC डिवाइडर से टकराई ओला कार

तेज हेडलाइट के कारण डिवाइडर नहीं देख पाया चालक, टायर फटा; हादसे में चालक और यात्री बाल-बाल बचे

सिटी न्यूज़ मुंबई/गनी खान

भिवंडीः शहर के राजीव गांधी फ्लाईओवर पर देर रात एक बार फिर सड़क हादसा हो गया। वंजारपट्टी नाके से कल्याण की ओर जा रही एक ओला कार फ्लाईओवर पर रखे RCC डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का टायर फट गया और अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, कार में सवार चालक और यात्री सुरक्षित बच गए। मिली जानकारी के अनुसार, सामने से आ रहे वाहनों की तेज हेडलाइट के कारण चालक को सड़क के बीच रखे RCC डिवाइडर का अंदाजा नहीं लगा और कार उससे जा टकराई। हादसे



के बाद फ्लाईओवर पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस और ट्रैफिक वार्डन मौके पर पहुंचे। टोचन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को हटाया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हुआ। राजीव गांधी फ्लाईओवर पर रखे RCC डिवाइडरों की दृश्यता और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर मांग की जा रही है कि डिवाइडरों पर रेडियम रिफ्लेक्टर, चेतावनी संकेतक और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाए, ताकि रात के समय वाहन चालकों को डिवाइडर दूर से दिखाई दे सकें। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस स्थान पर पहले भी हादसे हो चुके हैं। ऐसे में संबंधित विभाग की जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय कब किए जाएंगे। रात में डिवाइडरों को स्पष्ट रूप से दिखाई देने योग्य बनाने के लिए समय रहते ठोस कदम उठाना जरूरी है।

अमर शहीद राव राम बख्श सिंह की विरासत को सहेजने की पहल, शालिवाहन इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में जुटे बिनोद त्रिपाठी

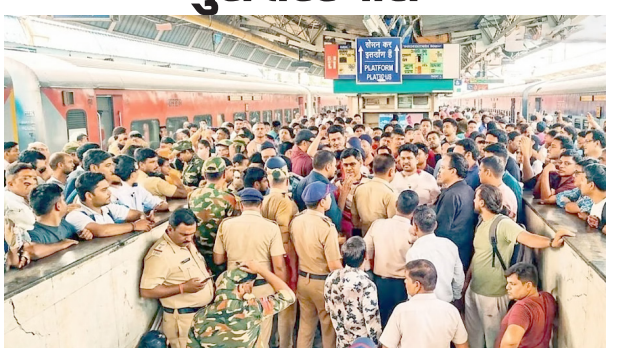
शालिवाहन शक संवत, मराठी भाषा और ऐतिहासिक विरासत को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर; शालिवाहन सेवा भावी संस्था के माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा



सिटी न्यूज़ मुंबई/गनी खान

भिवंडीःअमर शहीद राव राम बख्श सिंह चौक और वहां स्थापित शालिवाहन शक संवत का स्तंभ केवल एक ऐतिहासिक स्मारक नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत, इतिहास और भाषाई गौरव को याद करने का माध्यम भी है। इस ऐतिहासिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में बिनोद शालिवाहन त्रिपाठी शालिवाहन सेवा भावी संस्था के माध्यम से प्रयासरत हैं। इतिहास के पन्नों में 1857 की क्रांति के वीर योद्धा राव राम बख्श सिंह का नाम विशेष महत्व रखता है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के दौंडियाखेड़ा से जुड़े राव राम बख्श सिंह ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्हें 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख क्षेत्रीय योद्धाओं में गिना जाता है। उनके संघर्ष और बलिदान की स्मृति आज भी देश के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत में प्रचलित कालगणना परंपराओं में शक संवत का विशेष स्थान है। भारत सरकार ने शक संवत पर आधारित राष्ट्रीय कैलेंडर को आधिकारिक राष्ट्रीय कैलेंडर के रूप में अपनाया है। इसकी शुरुआत 78 ईस्वी से मानी जाती है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा के अवसर पर मनाए जाने वाले नववर्ष और शक संवत के बीच भी गहरा सांस्कृतिक संबंध है। शालिवाहन और सातवाहन इतिहास को लेकर विभिन्न ऐतिहासिक परंपराएं प्रचलित हैं। इस विरासत को समझने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए ऐतिहासिक तथ्यों के साथ सांस्कृतिक परंपराओं की जानकारी देना भी जरूरी है। मराठी भाषा महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान का अहम हिस्सा है। केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2024 में मराठी को अभिजात यानी क्लासिकल भाषा का दर्जा प्रदान किया था। इस निर्णय को मराठी भाषा के प्राचीन साहित्य, ऐतिहासिक परंपरा और सांस्कृतिक योगदान की मान्यता के रूप में देखा गया। सातवाहन शासनकाल और महाराष्ट्री प्राकृत जैसी प्राचीन भाषाई परंपराओं का अध्ययन ...शेष 7 पर

चलती ट्रेन में शराबी यात्री ने मचाया हंगामा, विरोध करने पर टीटीई को बुरी तरह पीटा



हजरत निजामुद्दीन-बांद्रा टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस में नशे में धुत यात्रियों ने टीटीई पर जानलेवा हमला कर दिया। उपकरण छीनने और मारपीट से टीटीई की वर्दी खून से सन गई। गरीब रथ एक्सप्रेस में नशेड़ी यात्रियों ने टीटीई से मारपीट कर मशीनें छीनीं। हमले में टीटीई घायल, वर्दी खून से सनी। गोधरा में ट्रेन नहीं रुकी, वडोदरा में भी आरोपी नहीं पकड़े गए। हजरत निजामुद्दीन से बांद्रा टर्मिनस जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस में 24 अक्टूबर की रात टिकट जांच स्टाफ पर हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे में धुत यात्रियों ने ट्रेन में सीटी बजाकर उपद्रव किया। इसका विरोध करने पर यात्रियों के एक समूह ने ड्यूटी पर तैनात ...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486